भजन

तर्जः है अपना दिल तो अवारा

पिया ने प्यार से अपनी, रूहों पर प्यार बरसाया ।
अर्श निसबत से ही रूह पर, ये रंग निसबत का चढ़ आया।

1 वो अर्श की बातें, मिलन की वो रातें, अखंड मुलाकातें
सौगात पिया की

बनो में लेके जाना, वो खेलना खिलाना और हंसना हंसाना
अदा पिया की
तो रस रंग धाम वाणी से, यहां रूहों को दर्शाया,

पिया ने प्यार.....

2 श्री जमुना किनारे कई दरखत हारें,सुगंध बयारें,
है मस्त समां

बखत मल्हार, है बरखा बहार आनन्द अपार,
ना होगा बया

तो ऐसे मे पिया के साथ मे रहना बहुत भाया,

पिया ने प्यार.....

3 वो मोहोल आकाशी, ताल पुखराजी, रूहों के सुख खासी
अखंड लीला

है सागर जमी की, शोभा जुदा रंगों की, रूहों ने जब देखी
वो नूर की फिजां

बहुत मीठ सा दिल मे फिर पिया का प्यार भर आया

पिया ने प्यार.....